रीवा में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल तथा पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **मध्य प्रदेश सरकार ने रीवा में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के विस्तार के लिये 164 करोड़ रुपए की मंज़ूरी दी है।**

मुख्य बिंदु:

- इस निर्णय से **रीवा और शहडोल संभाग** के लोगों को **लाभ** होगा क्योंकि यह उन **संभागों का सबसे बड़ा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल** है।
- मंत्रिपरिषद ने राज्य में [स्टार्टअप नीति](#) को लेकर भी महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया।
  - सभी स्टार्टअप लोग जो **राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं** में भाग लेना चाहते हैं, उन्हें **राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये 50,000 रुपए और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये 1.50 लाख रुपए** की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी।
  - **किसी स्टार्टअप के लिये** यह राशि एक **वित्तीय वर्ष में एक बार और पूरे कार्यकाल में दो बार तक दी जाएगी।**
- करीब दो दशक से लंबित [पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना](#) अब पीएम की पहल से क्रियान्वित होगी।
  - इससे **राज्य के मालवा और चंबल क्षेत्र के 12 ज़िलों तथा पूर्वी राजस्थान के 13 ज़िलों** को लाभ होगा।
  - इन क्षेत्रों में **पेयजल की उपलब्धता** बढ़ेगी तथा सिंचाई एवं औद्योगिक उपयोग के लिये भी जल उपलब्ध होगा।
  - **यह परियोजना 75,000 करोड़ रुपए की है और इसमें राज्य केवल 10% निवेश करेंगे, बाकी 90% राशि केंद्र सरकार प्रदान करेगी।**

पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना

- इसका उद्देश्य दक्षिणी **राजस्थान में चंबल,** कुन्नू, पार्वती, कालीसिंध सहित इसकी सहायक नदियों में बरसात के मौसम में **उपलब्ध अतिरिक्त जल का संचयन करना** और इस **जल का उपयोग राज्य के दक्षिण-पूर्वी ज़िलों में करना है,** जहाँ पीने तथा सिंचाई के लिये जल की कमी है।
- इस परियोजना का उद्देश्य वर्ष 2051 तक दक्षिणी एवं दक्षिण-पूर्वी राजस्थान में मानव तथा पशुधन हेतु **पीने के जल तथा औद्योगिक गतिविधियों हेतु जल** की आवश्यकताओं को पूरा किया जाना है।
- इसमें **राजस्थान के 13 ज़िलों को पीने का जल उपलब्ध कराने** और 26 विभिन्न बड़ी एवं मध्यम परियोजनाओं के माध्यम से 2.8 लाख हेक्टेयर भूमि के लिये सिंचाई का जल उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है।
    - **13 ज़िले:** इसमें झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, जयपुर, करौली, अलवर, भरतपुर, दौसा और धौलपुर शामिल है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/super-speciality-hospital-in-rewa-s-parbati-kalisindh-chambal-link-project